>

Title: Need to take steps to promote the use of Hindi in Government Offices and Departments in the country.

श्रीमती जयश्रीबेन पटेल (महेसाणा) ः किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पहचान उस राष्ट्र की अपनी भाषा होती है। जिन मूलभूत तत्वों के आधार कोई देश राष्ट्र कहलाता है उनमें उस राष्ट्र के संविधान, राष्ट्रध्वज, राष्ट्रगान के साथ राष्ट्र भाषा का भी महत्वपूर्ण स्थान माना जाता है। राष्ट्र की सभ्यता, संस्कृति और संस्कार उसकी भाषा में प्रतिबिंबित होते हैं।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, मदन मोहन मालवीय व पुरुषोत्तमदास टंडन जैसे महापुरुषों ने लोक व्यवहार व शिक्षा कार्य में देश की भाषा को अपनाने पर बल दिया था। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का मत था कि बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में दी जानी चाहिए। भारत के संविधान निर्माताओं ने हिन्दी को राजभाषा का दर्जा दिया है। हिन्दी मात्र एक भाषा नहीं अपितु समस्त भारतीयों की अस्मिता और गौरव का प्रतीक है। आज भारत के साथ-साथ समूचे विश्व में हिन्दी के प्रति लोगों का रूझान निरंतर बढ़ रहा है। ऐसे में सरकार से मेरी प्रार्थना है कि देश के सरकारी कार्यालयों में राजभाषा हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग किए जाने हेतु ठोस कदम उठाए जाएं क्योंकि इसके द्वारा देश में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को आगे बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।